http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 20

प्रयागराज शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम रायपुर में पांच से छह अक्टूबर

रायपुर। मध्य कमान और मध्य भारत क्षेत्र के तत्वावधान में, छत्तीसगढ़ और ओडिशा उप क्षेत्र द्वारा नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर 05–06 अक्टूबर 2024 को साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में एक सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस आउटरीच कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करना, भारतीय सेना की शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन करना, लोगों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति को बढ़ावा देना और नागरिक–सैन्य संबंधों को मजबूत करना है। दो दिवसीय कार्यक्रम में शानदार और रोमांचकारी प्रदर्शनों की एक श्रृंखला देखी जाएगी, जिसमें विशिष्ट विशेष बल कमांडो द्वारा स्लिदरिंग प्रदर्शन, बाइक शो और घुड़सवारी प्रदर्शन शामिल हैं। टी–90 भीष्म टैंक, बीएमपी–प्ए पैदल सेना लड़ाकू वाहन, स्ट्रेला–10एम सेना वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली, जेडयू–23 गन और आर्टिलरी की 105 एमएम लाइट फील्ड गन सहित आधुनिक हथियार और उपकरण भी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक जनता के देखने के लिए प्रदर्शित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में ग्रेनेडियर्स, सिग्नल और गोरखा प्रशिक्षण केंद्रों के सैन्य पाइप और ब्रास बैंड और विशिष्ट गोरखा रेजिमेंट के सांस्कृतिक दल द्वारा खुखरी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन के दौरान सेना भर्ती कार्यालय रायपुर और एनसीसी ग्रुप मुख्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लाभ के लिए सूचना केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा प्रयागराज रेंज ग्रुप कैप्टन समीर गंगाखेडकर ने बताया कि इस कार्यक्रम में राज्य सरकार और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। मध्य कमान और मध्य भारत क्षेत्र के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। भारतीय सेना की ताकत और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न इकाइयों और संरचनाओं से तीन सौ से अधिक भारतीय सेना के जवान इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम ने पूरे राज्य में काफी रुचि पैदा कर दी है और इसमें हजारों दर्शकों के आने की संभावना है।

हरियाणा के चुनावी रण में सीएम योगी ने भरी हुंकार,बोले...

जब-जब अत्याचार बढ़ेगा हरि आएंगे

● चंड, मुंड और महिषासुर... हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी आदित्यनाथ की हुंकार

हरियाणा,(एजेंसी)। योगी ने दावा किया कि हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य की सुशासन प्रिय जनता तीसरी बार डबल इंजन की सरकार के साथ है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार हरियाणा में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। आज विपक्ष पर एक बार फिर से योगी ने तगड़ा प्रहार किया है। योगी ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में 10 वर्षों में विकास कार्य पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजमार्गों का निर्माण, रेलवे की प्रगति, नए फ्लाईओवर का निर्माण, औद्योगिक क्षेत्र का विकास हुआ। योगी ने दावा किया कि भाजपा सरकार में युवाओं को बिना श्खर्ची, पर्चीश के रोजगार मिला।योगी ने दावा किया कि हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य की सुशासन प्रिय जनता तीसरी बार डबल इंजन की सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि जो कार्य कांग्रेस 60–65 वर्षों में नहीं कर सकी, भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मात्र 2 वर्षों में करके दिखाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह नशे के जो कारोबारी हैं, यह आज के चण्ड और मुण्ड हैं, महिषासुर हैं।

झूठ बोलने में माहिर राहुल गांधी

● इतना ही नहीं जनसभा को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री ने कहा , राहुल गांधी हमेशा झूठ बोलते हैं. वह किसी भी राज्य में झूठ बोलकर सत्ता में आना चाहते हैंलेकिन वह सफल नहीं हो पाते हैं. राहुल ने हिमांचल प्रदेश के चुनाव में कहा था कि यदि उनकी सरकार बनती है तो वह सभी महिलाओं के खातें में 1500 रुपये डालेंगे लेकिन ऐसा नहीं कर पा रहे हैं.

● ऐसे में सवाल पैदा होता है कि क्या किसी के बैंक खातों में पैसे आए ? छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम आदि में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार है. हमने वादा किया था कि अगर हम सत्ता में आए तो माताओं के बैंक खातों में पैसे भेजेंगे और हम भेज रहे हैं३ मैं राहुल बाबा से पूछना चाहता हूं कि अगर वे हिमाचल में झूठ बोल सकते हैं, तो देश के किस राज्य में सच बोलेंगे ?

पूर्व मंत्री बृज बिहारी हत्याकांड में बिहार के पूर्व विधायक समेत दो को उम्र कैद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय करीब 26 साल पहले बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले पटना उच्च न्यायालय के फैसले को आंशिक तौर पर पलटते हुए पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को गुरुवार को दोषी करार दिया और उन्हें इसके लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाते 15 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मृतक प्रसाद

की विधवा पूर्व सांसद रमा देवी के अलावा इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर यह फैसला सुनाया। पीठ ने 1998 के इस चर्चित हत्याकांड मामले में पूर्व सांसद सूरज भान सिंह और एक अन्य आरोपी मंटू तिवारी समेत छह को संदेह का लाभ दिया और उन्हें बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। पटना उच्च न्यायालय 2014 में निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए सभी आठ आरोपियों को बरी कर दिया था। बिहार के मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्या मामले में निचली अदालत ने 2009 में 8 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

'हरियाणा में बेरोजगारी के जिम्मेदार मोदी'

"अमित शाह के बेटे ने कभी बैट नहीं उठाया, वो क्रिकेट के इंचार्ज बन गए। 6 या 7 लोग मिलकर देश चला रहे हैं और सोचते हैं देश की जनता चुप रहेगी।

राहुल गांधी,
रायबरेली सांसद

● राहुल गांधी बोले– 56 इंच छाती की बात करते थे, अब चेहरा बदल गया

● अरबपतियों की सरकार चलाते हैं पीएम मोदी, विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे कांग्रेस के शेर

हरियाणा,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने श्नफरत का बाजारश खोला, हमने श्मोहब्बत की दुकानश खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं। राहुल ने दावा किया कि बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में शीर्ष पर कैसे पहुंचाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी श्अरबपतियोंश की सरकार चलाते हैं। उन्होंने 20–25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। पीएम मोदी ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और गरीबों का कितना कर्ज माफ किया? उन्होंने कहा कि हमें बेरोजगारी और महंगाई का हरियाणा नहीं चाहिए। हमें प्रगति का हरियाणा चाहिए। राहुल ने कहा कि हरियाणा में छोटी–छोटी पार्टियां घूम रही हैं। ये भाजपा की बी टीम हैं। इनको आप समर्थन मत दीजिए। आप कांग्रेस पार्टी को अपना वोट दीजिए और भाजपा की सरकार को हटाने का काम कीजिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां विचारधारा की लड़ाई लड़ते हैं। आप नफरत को मोहब्बत से काटते हैं, इसलिए मैं आपको दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।

किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों व आतंकवादियों के बीच हुई गोलीबारी

जम्मू,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के एक समूह के बीच गोलीबारी हुई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दूरदराज के जंगलों में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट इनपुट पर किश्तवाड़ के चटरू इलाके में जारी तलाशी अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच

थोड़ी देर गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की है।इस क्षेत्र में गोलीबारी 21 सितंबर को चतरू के गुरिनाल गांव में धन्ना धार वन क्षेत्र के पास हुई थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा " आज सुबह दोनों ओर से हुई गोलीबारी के बीच ताजा संघर्ष हुआ।" गौरतलब है कि किश्तवाड़ जिले के चटरू इलाके में 13 सितंबर को गोलीबारी में दो सैनिक शहीद हो गए और कई घायल हो गए। रियासी जिले में 20 सितंबर को आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की थी।

बिहार में बाढ़ से चिंतित खड़गे

● राहत कार्यों में तेजी लाई जाए, पीएम केयर से प्रभावितों को मिले मुआवजा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार से हमारी माँग है कि राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को त्वरित मदद मिल सके। उन्होंने आगे लिखा कि विषम परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना, NDRF और SDRF की टीमें जो मदद कर रही है, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। बिहार बाढ़ की भीषण चपेट में है। इससे कम से कम 16 जिले प्रभावित हुए हैं। इसको लेकर सियासत भी हो रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मांग की कि केंद्र और राज्य सरकार को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बिहार में बाढ़ का मंजर भयंकर होता जा रहा है। 17 जिलों में करीब 15 लाखध् लोग बाढ़ग्रस्त हैं और पिछले कुछ दिनों में कई लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद पीड़ादायक है। पुल टूटे हैं और खघसकर उत्तरी बिहार में आपदा के चलते नागरिकों के घर उजड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार से हमारी माँग है कि राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को त्वरित मदद मिल सके। उन्होंने आगे लिखा कि विषम परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना, NDRF और SDRF की टीमें जो मदद कर रही है, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। पर अभी भी राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा हर संभव मदद की बेहद जरुरत है। केंद्र सरकार को च्डब।त्े से हर बाढ़ पीड़ित को पर्याप्त मुआवजा देना चाहिए और राज्य सरकार की सहायता करनी चाहिए। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उन्हें भी मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं से अपेक्षा है कि वो पीड़ितों की सेवा के लिए तत्पर रहें। बिहार में मंगलवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'भयावह' स्थिति का विवरण साझा करेंगे। एक दिन पहले नयी दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कोसी, गंडक एवं गंगा नदियों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर जायजा लिया। और अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाये जाने का निर्देश दिया। पड़ोसी देश नेपाल में भारी वर्षा के कारण 29 सितंबर की सुबह पांच बजे कोसी बैराज, वीरपुर से 6,61,295 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था जो 1968 के बाद सर्वाधिक है।

तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थाओं को मिले बम की धमकी के ईमेल

तिरुचिरापल्ली,(एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में गुरुवार को दो निजी स्वायत्त कॉलेज और आठ स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम धमकी मिली। पुलिस ने कहा कि 180 वर्ष पुराने सेंट जोसेफ कॉलेज

(स्वायत्त), होली क्रॉस कॉलेज (स्वायत्त), इसके अलावा कैंपियन एंग्लो–इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल, समाध हायर सेकेंडरी स्कूल, मोंटफोर्ट स्कूल, आचार्य शिक्षा मंदिर स्कूल), राजम कृष्णमूर्ति पब्लिक स्कूल और अमृता विद्यालयम स्कूल समेत शहर और जिले के आठ स्कूलों को आज सुबह एक ईमेल मिला जिसमें धमकी दी गई कि संस्थानों में कभी भी बम विस्फोट हो सकता है। सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, तमिलनाडु बम जांच एवं निपटान दस्ता (बीडीडीएस) और तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के कर्मियों के साथ, अलग–अलग टीम बनाकर संस्थानों के परिसर की गहन जांच की। खोजी कुत्तों को भी सेवा में लगाया गया। फिलहाल कोई विस्फोटक नहीं मिला है, लेकिन तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बम की धमकी को अफवाह होने का संदेह जताया।

सीएम सिद्धारमैया की कम नहीं हो रही मुश्किलें

● अब सबूत नष्ट करने का लगा आरोप, शिकायत दर्ज

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कथित मुदा घोटाले में मुख्य शिकायतकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा गुरुवार को गवाही देने और जांच से संबंधित रिकॉर्ड जमा करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुई। कर्नाटक शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) श्घोटालेश को लेकर चल रहा विवाद तेज हो गया है। विवाद की वजह से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। सिद्धारमैया के खिलाफ एक नई शिकायत दर्ज की गई है, जिससे एमयूडीए में कथित अनियमितताओं को लेकर उनकी जांच बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री पर अब घोटाले से संबंधित सबूतों को नष्ट करने, उनके प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता के बारे में चिंताएं बढ़ाने का आरोप लगाया गया है। इस बीच, कथित मुदा घोटाले में मुख्य शिकायतकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा गुरुवार को गवाही देने और जांच से संबंधित रिकॉर्ड जमा करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुई। सूत्रों ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ शुरू की गई जांच में मदद के लिए कृष्णा को ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय में बुलाया गया था। ईडी ने सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बी को 14 स्लॉट के आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों पर 30 सितंबर को एक एफआईआर के बराबर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की। लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को कृष्णा की शिकायत पर उनके, राष्ट्रपति, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को महात्मा गांधी का उद्धरण देते हुए कहा कि ''अंतरात्मा की अदालत'', सभी अदालतों से ऊपर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि गांधीजी के जीवन और विचारों ने उन्हें उनके ''वर्तमान संघर्ष'' में साहस, शक्ति और उम्मीद दी है। उन्होंने परोक्ष रूप से एमयूडीए मामले में संबंधित एजेंसियों की जांच की। ओर इशारा किया जिसमें उनकी पत्नी को 14 भूखंड आवंटित किए गए थे। मामले में विपक्ष उनके मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग कर रहा है।

निरस्त्रीकरण आवश्यक

कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के शिखर सम्मेलन में भारत ने दृढ़ता के साथ एक बार फिर चीन को स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निरस्त्रीकरण आवश्यक है।पिछले पांच वर्षो से एलएसी पर दोनों देशों के बीच गतिरोध ा बना हुआ है। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई।विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख में टकराव के स्थल से सेना को पीछे हटाया जाए जिससे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में आसानी होगी।

पूर्वी लद्दाख में 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और उसके बाद भारतीय सैनिकों के साथ हुई झड़पों के कारण एलएसी पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। जाहिर है कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। जयशंकर और वांग यी की बातचीत के बाद दोनों देशों की ओर से कहा गया कि वे लद्दाख की गलबान घाटी में सेनाओं की तैनाती की वापसी और द्विपीय संबंध सामान्य बनाने की दिशा में आने वाले गतिरोधों को दूर करने का प्रयास करेंगे।हालांकि यह समस्या बहुत छोटा करके देखने जैसे होगा कि दोनों देशों के विदेश मंत्री एक घंटे की बातचीत में कोई ऐसा चमत्कार कर देंगे कि सभी गतिरोध चुटकी बजाकर दूर हो जाएं। फिर भी इन दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात का विशेष महत्त्व है।जयशंकर और विशेषकर वांग यी ने यह तो स्वीकार किया ही है कि वर्तमान में दोनों देशों के बीच टकराव और तनाव की स्थिति नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों के हित में नहीं है। पूर्वी लद्दाख में स्थित गलवान घाटी में चीन के दुस्साहस के कारण भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है।भारत अब चीन की ६ गैंसपट्टी को नजरअंदाज कर हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन विरोधी रणनीति में शामिल है। लेकिन वह चीन विरोधी सैन्य संगठन में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है।इतना जरूर है कि यदि चीन लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में कोई नई सैनिक कार्रवाई करता है तो भारत इसका मुकाबला करने के लिए पश्चिमी देशों के साथ जुड़ सकता है। आशावादी दृष्टिकोण यही कहता है कि यदि चीन का शीर्ष नेतृत्व बुद्धिमत्ता का परिचय दे तो संबंधों को पटरी पर लाया जा सकता है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

धरती का पलय बाढ़ से नहीं बरसती आग से

प्रमोद भार्गव

इस बार वैश्विक गर्मी चरम पर है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार बीते वर्ष और पिछले दशक ने धरती पर आग बरसाने का काम किया है।

अमेरिका की पर्यावरण संस्था वैश्विक विटनेस और कोलंबिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया है कि तेल और गैस के अधिकतम मात्रा में उत्पादन से ये हालात पैदा हुए हैं। यदि इन ईधनों के उत्सर्जन का यही हाल रहा तो 2050 तक गर्मी चरम पर होगी।

गर्मी से जीव–जगत की क्या स्थिति होगी? अनुमान लगाना भी मुश्किल है। बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसीलिए कहा जा रहा है कि धरती पर पलय बाढ़ से नहीं, आसमान से बरसती आग से आएगी। धरती के जीव–जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। संकट से निपटने के उपायों को तलाशने के लिए 198 देश जलवायु सम्मेलन करते हैं। इन सम्मेलनों का प्रमुख लक्ष्य रहा है कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक स्थिर रखा जा सके लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, उनसे स्पष्ट है कि कुछ सालों के भीतर गर्मी तापमान की इस सीमा का उल्लंघन कर लेगी क्योंकि इस बार तीन सप्ताह से लगातार गर्मी का तापमान 40 से 55 डिग्री तक बना रहा। दिल्ली में तापमान 52.9 डिगी तक पहुंच चुका है। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के चलते 1000 से ज्यादा हज यात्रियों की मौत हुई है।

इस कदर गर्मी का अनुमान पर्यावरणविद् ने पहले से लगा लिया था। इनकी सलाह पर 100 से ज्यादा देश 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ाकर तीन गुना करने के प्रयास में जुटे हैं। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रेत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं। पर्यावरणविद् के मुताबिक, सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी। नतीजतन, पृथ्वीवासियों को तबाही का सामना करना पड़ेगा।

इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय

पर्यावरण सम्मेलन, जिसे कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपीध्कॉप) के नाम से भी जाना जाता है, में पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई। लेकिन लंबे समय से चल रहे रूस और यूक्रेन तथा इस्त्रइल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंतण्र के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उनमें से कई रूस ने चालू कर लिए हैं।

नवम्बर, 2021 में ग्लासगो वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत–चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा परंतु उपरोक्त युद्धों के चलते अनेक देशों ने अपने थर्मल पावर बंद नहीं किए हैं।

बदलते हालात में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850–1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है।

गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा। दुनिया में बढ़ती कारें भी गर्मी बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण बनती जा रही हैं। 2024 में वैश्विक स्तर पर कारों की संख्या 1.475 बिलियन आंकी जा रही है या प्रत्येक 5.5 व्यक्ति पर एक कार है, जो प्रदूषण फैलाने का काम कर रही हैं। इन पर भी नियंतण्र जरूरी है।

सड़क-फुटपाथ हर रोज चकाचक क्यों नहीं

अली खान

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जब प्रधानमंत्री या कोई वीआईपी आता है, तो सड़कों और फुटपाथ को चकाचक कर दिया जाता है। यदि एक दिन यह हो सकता है, तो सभी लोगों के लिए हर रोज क्यों नहीं हो सकता। आखिरकार, नागरिक टैक्स देते हैं, और साफ–सुथरे और सुरक्षित फुटपाथ पर चलना उनका भी मौलिक अधिकार है।

बता दें कि जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ फुटपाथ मुहैया कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। राज्य सरकार के केवल यह सोचने से काम नहीं चलने वाला कि शहर में फुटपाथ घेरने वाले अनिधकृत फेरीवालों की समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए। उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट ने शहर में अनिधकृत रेहड़ी–पटरी वालों की समस्या पर पिछले वर्ष स्वतरू संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है, लेकिन राज्य और नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। हम अपने बच्चों को फुटपाथ पर चलने को कहते हैं, लेकिन चलने को फुटपाथ ही नहीं होंगे तो हम उनसे क्या कहेंगे? इस बीच आम–आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर, मूल अधिकार से क्या अभिप्राय है?

दरअसल, मूल अधिकार ऐसे अधिकारों का समूह है जो किसी भी नागरिक के भौतिक (सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक) और नैतिक विकास के लिए आवश्यक हैं। मौलिक अधिकार किसी भी देश के संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई आवश्यक स्वतंत्रता और अधिकारों के एक

समूह को भी संदध्मत करते हैं। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आधारशिला को भी निर्मित करते हैं तथा नागरिकों की राज्यों के मनमाने कार्यों एवं नियमों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। बुनियादी मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रताओं को सुनिश्चित करते हैं। एक राष्ट्र के भीतर लोकतंत्र, न्याय और समानता को बनाए रखने के लिए ये अधिकार संविधान के अभिन्न अंग हैं। इन अधिकारों को मौलिक अधिकार माना जाता है, क्योंकि ये व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास, गरिमा और कल्याण के लिए आवश्यक हैं। इनके असंख्य महत्त्व के कारण ही उन्हें भारत का मैग्ना कार्टा भी कहा गया है। ये अधिकार संविधान द्वारा गारंटीकृत और संरक्षित हैं, जो देश के मूलभूत शासन को संदध्मत करते हैं।दरअसल, हकीकत यह है कि शहरी भारत में पैदल चलने के लिए वर्तमान में कई बाधाओं और रुकावटों से गुजरना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर किसी की सुरक्षा को जोखिम में डालना पड़ता है। यहां तक कि कभी–कभी किसी की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। भारतीय शहरों में पैदलयात्रियों की उपेक्षा केवल पैदलयात्रियों की सुविधाओं को कम प्राथमिकता देने और उनके खराब क्रियान्वयन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बड़े प्रणालीगत मुद्दे का भी प्रतिबिंब है। दरअसल, भारत में पैदलयात्रियों के लिए कानूनी अधिकारों और उपायों की व्यापक व्यवस्था का अभाव है। कमोबेश सभी शहरों की अधिकांश सड़कों पर अतिक्रमण का बोलबाला है। अतिक्रमण के चलते फुटपाथ गुम हो गए हैं। इन पर जनता का अधिकार है। मौजूदा वक्त में फुटपाथ की समस्या नासूर बन चुकी है। चिंता की बात है कि इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लिहाजा, सरकार को चाहिए कि जनता के लिए स्वतंत्र और सुरक्षित फुटपाथ मुहैया करवाए। फुटपाथ पर बैनर लगाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

कैसे देश जीतेगा जंग नशे के खिलाफ

आर.के. सिन्हा

भारत में सिगरेट और बीड़ी पीने का सिलसिला न जाने कब से चल रहा है। इनके पैकटों पर वैधानिक चेतावनी देने का भी कोई असर नहीं हुआ। अब सूखा नशा लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। यह एक ऐसी बुराई है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ देती है। यह आदतें न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज के ताने बाने पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विभिन्न स्रोतों और सर्वे के नतीजे बताते हैं कि राजधानी दिल्ली में ही कम से कम 10 से 20 फीसदी युवा नशे की चीजों के आदी हो चुके हैं। सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद इसको रोकने के लिए अभी तक की गई कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं।

नशे की गिरफ्त में आकर लोग अक्सर अपनी जिम्मेदारियों को लापरवाही पूर्वक नजरअंदाज कर देते हैं। इसके प्रभाव से बचने के लिए उचित शिक्षा और सक्रिय जागरूकता की परम आवश्यकता है। साथ ही नशे के खिलाफ ठोस आन्दोलन प्रयास करने की भी जरूरत है। केवल व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास ही इस समस्या को समाप्त कर सकते हैं। अकेले, सरकार के बस का तो यह होने से रहा। आपको देश का शायद ही कोई शहर मिले, जहां के अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्रों, हाई प्रोफाइल इलाकों और एलीट जोनों, बड़े मार्केटों में नशा उपलब्ध न हो। नशे पर पूरी तरह से बैन ही नहीं लग पा रहा है। राजधानी दिल्ली तो नशे के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। इसके पीछे नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता तथा गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के चलते हो रहे डिप्रेशन को कम करने में मदद मिलने जैसी बड़ी वजह भी है। इसके साथ ही मौजूदा पारिवारिक ढांचा और शिक्षा की कमी से हो रहे भटकाव तथा अज्ञानता भी नशे को बढ़ावा देने में मददगार बन रहा है। इसका सबसे बुरा असर हमारे कम उम्र के स्कूल और कॉलेज जाने वाले लड़के–लड़कियों पर भी बुरी तरह पड़ रहा है। थोड़ी सी मस्ती, अति उत्साह और सामाजिक आचार–विचार के प्रति बेरुखी के चलते खुद को बिंदास, बेपरवाह दिखाने के लिए ड्रिंक्स, स्मोकिंग, च्युइंग एडिक्शन जैसी आदतें अपनाने को वह अपने को आधुनिक और प्रगतिशील सिद्ध करने के लिये जरूरी मान बैठे हैं।

दिल्ली और देश के शेष भागों में सूखे नशे में केवल तंबाकू या गुटखा ही नहीं इस्तेमाल हो रहा है। तस्करी चोरी के जरिए बड़े पैमाने पर गांजा, हेरोइन, स्मैक, चरस, कोकेन, मिथाइलीनडाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन (एमडीएमए), एक्स्टसी सिंथेटिक टैबलेट और पाउडर, मेफेड्रोन पाउडर और कैप्सूल तथा कोडीन मिला हुआ कफ सिरप को भी लाकर भी बेचा जा रहा है। एमडीएमए एक तरह का सिंथेटिक ड्रग है, जो उत्तेजक और बुद्धिभ्रष्ट कारक है। इस ड्रग के इस्तेमाल मात्र से शरीर पर बदलाव आने लग जाते हैं। सिंथेटिक ड्रग्स का उदय एक महामारी के रूप में हो रहा है जो कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है, खासकर युवा लोगों को।नए जमाने में सुरक्षा के नाम पर ई–सिगरेट का भी प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसमें धुआं भले ही न हो, लेकिन निकोटीन होने से स्वास्थ्य

के लिए नुकसान में जरा सी भी कमी नहीं है।

राजधानी के प्रतिष्ठित गंगा राम अस्पताल दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक, मेडिसिन डॉ. मोहसिन वली कहते हैं, ष्भारत में तंबाकू सेवन करने वालों, विशेष रूप से धूम्रपान करने वालों की बढ़ती संख्या के चलते इस पर नियंत्रण के लिए बनाई गई नीतियों की तुरंत समीक्षा की जरूरत है। निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी), गर्म तम्बाकू उत्पाद (एचटीपी) और स्नस (धुआं रहित तंबाकू) जैसे वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों के इस्तेमाल से नशे पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है। हालांकि एनआरटी को मेडिकल स्टोर पर केवल डॉक्टरों के प्रिस्क्रिप्शन पर ही लिया जा सकता है, जिसके कारण इसकी सरल उपलब्धता अब मुश्किल हो गई है। अब इसे सीधे कोई आसानी नहीं ले सकता है।ष जानकारों का कहना है कि अधिकांश लोग एनआरटी का उपयोग तब बंद कर देते हैं, जब उन्हें लगता है कि अब उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। एनआरटी में निकोटीन की मात्रा सिगरेट की तुलना में वैसे तो कम होती है। निकोटीन को मस्तिष्क तक पहुँचने और इंसान को निकोटीन का प्रभाव देने में भी काफी समय लगता है। इसका मतलब यह है कि धूम्रपान छोड़ने की तुलना में एनआरटी का उपयोग बंद करना बहुत आसान है। सबसे बेहतर बात ये है कि एनआरटीके साइड इफेक्ट भी ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

इसके साथ ही अब गुटखा को खाने वालों की तादाद चक्रवद्धि ब्याज की रफ्तार से बढ़ती ही चली जा रही है। इसमें तंबाकू की कितनी मात्रा हो, इसको लेकर कोई गाइडलाइंस नहीं है। इसको खाना अगर जरूरी ही है तो बिना तंबाकू वाले इसके इलायची आदि के स्वादिष्ट फ्लेवर क्यों नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसको खाने का मजा तो आए, लेकिन स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़े।

कुछ समय पहले राजधानी के बीएलके–मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन डॉ. पवन गुप्ता कह रहे थे–, ष सबसे गंभीर बात यह है कि आम लोगों में तंबाकू का प्रचलन बढ़ रहा हैं, क्योंकि देश भर में सड़क के आसपास बनी दुकानों में तंबाकू आसानी से उपलब्ध है। मौजूदा सरकारी नीतियां तंबाकू के बढ़ती लत को रूकवाने में विफल रही हैं। अब इस मसले को रोकने के लिए विकसित देशों में अपनाए गये वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित विकल्पों पर विचार करना जरूरी है। इससे तंबाकू के सेवन पर रोक लगाने में कारगर सफलता मिल सकती है। आज भारत बुरी तरह से नशे की समस्या से जूझ रहा है। यह बेहद जटिल और बहुआयामी मुद्दा है जो देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने बाने को क्षति पहुँचा रहा है। नशीली दवाओं की लत लगातार बढ़ने से निजी जीवन में अवसाद, पारिवारिक कलह, पेशेवर अकुशलता और सामाजिक सह–अस्तित्व की आपसी समझ में कमी की समस्याएं सामने आ रही हैं। मुझे लगातार इस तरह के परिवारों के बारे में पता चलता है जो अपने किसी सदस्य के नशे का दास बनने से परेशान है। हमारे युवा नशे की लत के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। युवावस्था में करियर को लेकर एक किस्म का दबाव और तनाव रहता है। ऐसे में युवा इन समस्याओं से निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेता है और अंततः नशे के कुचक्र में फंस जाता है। इसके साथ ही युवा एक गलत पूर्वधारणा का भी शिकार होते हैं। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धुएँ के छल्ले उड़ाना और महँगी पार्टीज में शराब के सेवन करना उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक भी जान पड़ता है। दरअसल नशे के बढ़ने के कई आयाम हैं। इसके खिलाफ सारे देश को मिलकर लड़ना होगा। वर्ना तो नशे की लत का विस्तार जारी ही रहेगा।

कार्यों में निरन्तर की जाये मानीटरिंग-डीएम

स्वास्थ्य विभाग अधिकारी व प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने-अपने कार्यो के प्रति सजग रहे-जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) एवं जनपद में 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाने के सम्बन्ध में बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सम्बन्ध में बताया गया कि सम्बन्धित विभागों से माइक्रोप्लान उपलब्ध करा दिया गया है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि माइक्रोप्लान के तहत कार्य कराना सुनिश्चित करें और निरन्तर मानीटरिंग करते रहे, जो माइक्रोप्लान तिथिवार निर्धारित है उसके तहत कार्य कराये जाये। उन्होने निर्देशित किया कि दस्तक अभियान के तहत आंगनबाड़ी एवं आशा का प्लान बनाकर घर-घर जाकर अभियान के तहत कार्य किये जाये। उन्होंने पंचायती राज विभाग एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव/वार्ड में साफ सफाई, झाड़ियों की कटाई, एन्टी लार्वा छिड़काव, फागिंग, नालों की सफाई

करायी जाये। बैठक में बताया गया कि डेंगू के 07 मरीज भर्ती किये गये है जिनका ईलाज चल रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने भर्ती मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। सीएचसी पट्टी में जलभराव के प्रकरण पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी पट्टी को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि दस्तक अभियान की साप्ताहिक बैठक करायी जाये और महत्वपूर्ण बिन्दुओं की जानकारी उपलब्ध कराये।जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बच्चों का नियमित टीकाकरण किया जाये, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। आशाओं द्वारा जो भी प्रसव कराये जाये उनके मानदेय का भुगतान समय से कराया जाये। सीएचसी में प्रसव की समीक्षा में पाया गया कि कालाकांकर में प्रसव की प्रगति खराब है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रगति में सुधार लायें। पुरूष नसबन्दी की समीक्षा में पाया गया कि अगस्त माह में 27 नसबन्दी करायी गयी है जिन सीएचसी की प्रगति शून्य पायी गयी उसके सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि प्रगति में सुधार लायें। आर0सी0एच0 पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं के जांच की फीडिंग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि फीडिंग की प्रगति में सुधार लायें। आभा आईडी के सम्बन्ध में बताया गया कि 44 प्रतिशत बन गया है जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि आभा आईडी शत प्रतिशत बनायी जाये। जिलाधिकारी ने बैठक में स्वास्थ्य कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व अन्य सम्बन्धित को निर्देश दिया गया कि प्रगति के आंकड़ों को पोर्टल पर समय से अंकित करें इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। इसी प्रकार बैठक में जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत, सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं तथा जनता से जुड़ी योजनाओं का बेहतर तरीके से संचालन करें, स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी अपने-अपने कार्यो के प्रति सजग रहे, दी गयी जिम्मेदारियों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते।

मां के गर्भ से धरती छोड़ने तक का सारा इंतजाम कर रही डबल इंजन सरकार

मिल्कीपुर-अयोध्या (आरएनएस)। मिल्कीपुर ब्लॉक मुख्यालय सभागार में श्रम विभाग की ओर से श्रमिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गरीब मजदूर के जीवन में बुनियादी परिवर्तन लाने के लिए अटल आवासीय विद्यालय की स्थापना करने का काम शुरू किया है। आज अटल आवासीय विद्यालय में जिस प्रकार की शिक्षा बच्चों को दी जा रही है, वैसी शिक्षा किसी सरकारी या निजी विद्यालय में नहीं मिल पा रही है। उत्तर प्रदेश के हर मंडल में एक अटल आवासीय विद्यालय है और शीघ्र ही हर जनपद में एक अटल आवासीय विद्यालय होगा। पढ़ाई की वजह से ही अटल आवासीय विद्यालय के 18 बच्चों का चयन इसरो के लिए हुआ है। इसमें अयोध्या जनपद से भी एक छात्रा का चयन हुआ है। शीघ्र ही इन्ही विद्यालय से आईएएस, पीसीएस भी निकलेंगे। उत्तर प्रदेश में 8 करोड़ 39 लाख श्रमिक रजिस्टर्ड हैं। जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है। मोदी- योगी की सरकार लगातार ऐसी योजना ला रही है कि उससे आने वाली पीढ़ी को गरीबी का सामना न करना पड़े। निर्माण क्षेत्र में रजिस्टर्ड श्रमिकों की संख्या से अभी हम लोग संतुष्ट नहीं है, उनकी संख्या को भी और बढ़ाना है, ऐसे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आने वाली पीढ़ियों नहीं मिलेंगे, जो आपके लिए दिन रात जीवन बदलने के लिए अच्छी-अच्छी योजनाओं को ला रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हमारी डबल इंजन की सरकार मां के गर्भ से लेकर धरती छोड़ने तक का सारा इंतजाम कर रही है। अगर आप सभी योजनाओं का लाभ लें, तो आपका जीवन निश्चित रूप से बदल जाएग। भारत सरकार ने मजदूरी को पुनरीक्षित कर मजदूरी बढ़ाया है, जो भी मजदूरी केंद्र सरकार बढ़ाएगी शीघ्र ही उसे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू कर दिया जाएगा।

7436.	18A/9 MUIR ROAD	श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव	श्री राकेश मोहन	वसीसत
7437.	124/108 BAKHTIYARI	श्री मो0 अरशद	श्री फहद अरशद आदि	वरासतन
7438.	20A/1/11 B.K.BANEJEE MARG	श्री कमलाकांत	श्री करूणेश चन्द्र मिश्र आदि	वरासतन
7439.	18/19/3D L.B.S.MARG	श्री रघुवंश सिंह आदि	रघुवंश सिंह व कलावती सिंह के स्थान पर राकेन्द्र कुमार	दानपत्र
7440.	21/01/FND-407 COLVIN ROAD	श्री विकास शुक्ला	श्रीमती श्रद्धा	बैनामा
7441.	398/337 COLONELGANJ	श्री संजय गोस्वामी आदि	श्रीमती शालिनी गोस्वामी का नाम खारिज	दानपत्र
7442.	331/FF-02 COLONELGANJ	श्रीमती रीता दास आदि	श्रीमती शालिनी गोस्वामी	बैनामा
7443.	732/873/4A COLONELGANJ	श्रीमती आशा देवी	श्री संदीप कुमार गुप्ता आदि	वरासतन
7444.	151/123 COLONELGANJ	श्री लखन लाल गुप्ता	श्री संदीप कुमार गुप्ता आदि	वरासतन
7445.	218/UF-303 MUIR ROAD	श्री अनूप कुमार मसीह	श्री सुरेश चन्द्र शुक्ला	बैनामा
7446.	75B/41 P.D.TANDON ROAD	श्रीमती सुशीला देवी	श्रीमती गीता देवी	वसीयत
7447.	01/02A AUCKLAND ROAD	श्रीमती रेनू टण्डन	श्रीमती शैलजा पाण्डया आदि	बैनामा
7448.	93/93A/A-407 MUIR ROAD	श्रीमती मेहनाज करमौली	श्री लाल मोहन आदि	बैनामा
7449.	13/5 AUCKLAND ROAD	श्रीमती आरती गुप्ता	श्री शिव चन्द्र त्रिपाठी	बैनामा
7450.	114C/77/5A BELI	श्रीमती निर्मला देवी	श्री धीरेन्द्र साहू	वरासतन
7451.	65C/1A MINTO ROAD	श्रीमती फौजिया खान	श्री फाजिल इदीस खान	बैनामा
7452.	125/22K/10R/2M RAJAPUR	श्री महेन्द्र कुमार मौर्य	श्रीमती अर्चना मौर्या	बैनामा
7453.	522/23/2A RAJAPUR	श्री नवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव आदि	श्रीमती रेनू देवी आदि	वरासतन
7454.	226D/07E/04E RAJAPUR	श्री मोइनउद्दीन	श्रीमती रईसा बेगम आदि	बैनामा
7455.				
7456.	909/519B RAJAPUR	श्री प्रदीप कुमार आदि	श्रीमती उमा देवी, हेमलता, रोमा का नाम खारिज	बैनामा
7457.	249/24/B/1B HESTING ROAD	श्री राजनाथ शर्मा आदि	श्री कमलाकांत राय आदि	वरासतन
7458.	HIG 3/3 CIRCULAR ROAD	श्री निशिथ कुमार चतुर्वेदी	श्री शिव शंकर लाल	बैनामा
7459.	12/10B NEWADA	श्रीमती उर्मिला देवी आदि	श्री मो0 इसराईल आदि	बैनामा
7460.	968/822 KATRA	श्री मो0 शाहिद	श्री विजय कुमार	बैनामा
7461.	39B/01F FAKIREYGANJ	श्री रामेश्वर प्रसाद	श्री अजय कुमार	वरासतन
7462.	1026A/1191A KATRA	श्री मो0 अहमद आदि	श्रीमती रिजवाना बेगम	वसीयत
7463.	1062/911 KATRA	श्री प्रेम शंकर मिश्रा आदि	श्री रमेशचन्द्र के स्थान पर पूजा यादव	दानपत्र
7464.	513/433 KATRA	श्री अरूण कुमार आदि	श्री दर्ज नाम के साथ गोपाल जी केसरवानी आदि	बैनामा
7465.	1199/1034 KATRA	श्री राजकुमारी देवी आदि	श्री राजकुमारी देवी का नाम खारिज	दानपत्र
7466.	1199/1034 KATRA	श्रीमती राजकुमारी देवी आदि	श्रीमती राजकुमारी के स्थान पर मंजू रवि	दानपत्र
7467.	39/8FNA-304 DRUMMOND RO	श्री संजीव शरीन	श्री सुनील कुमार सिंह चोहान आदि	बैनामा
7468.	A-110 MEHDAURI	श्री रामदुलारे श्रीवास्तव	श्री अखिल शरण श्रीवास्तव आदि	वरासतन
7469.	261/76N/3A JONOHWAL	श्री अवध बिहारी यादव	श्रीमती आरती यादव व विभाजन	बैनामा
7470.	79D/4 SHIVKUTI	श्री लक्ष्मण प्रसाद	श्री राजेष कुमार भारतीया	बैनामा
7471.	64/B/2 SHIVKUTI	श्रीमती रीता देवी	श्रीमती रेखा शुक्ला व विभाजन	बैनामा
7472.	376/172 RASULABAD	श्री हंसराज आदि	श्रीमती जड़ावती देवी व विभाजन	बैनामा
7473.	MIG-39 GOVINDPUR	श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव	श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव आदि	वरासतन
7474.	18/3 GOVIND AWAS YOJNA	श्री सुनील कुमार चौधरी	श्री पीयूष सिह	बैनामा
7475.	147/135B KATRA	श्रीमती रन्नो देवी	श्रीमती रन्नो देवी के स्थान पर ओम प्रकाश यादव	वरासतन
7476.	630/532 KATRA	श्री श्याम लाल आदि	श्री श्याम लाल गुप्ता के स्थान पर उमेष चन्द्र गुप्ता	वरासतन
7477.	893/747 KATRA	श्री रामदास	श्री दयानन्द आदि	वरासतन
7478.	116/110 KATRA	श्री राजाराम	श्री दीपक कुमार आदि	वरासतन
7479.	782A/666A KATRA	श्रीमती राबिया खातून	श्री मो0 सिद्दीकी आदि	वरासतन
7480.	60D/01 NAWAB YUSUF ROAD	श्री बलवीर सिंह आदि	श्री रवि केसरवानी आदि	बैनामा
7481.	42A/34B/SF-09 CLIVE ROAD	श्री मारिया जीशान	श्रीमती रंजना रानी	बैनामा
7482.	11/13A/2C TASKAND MARG	श्रीमती भूमिका सिह	सुश्री अंशुल सिंह	बैनामा
7483.	13/11/7A/FN-202/3RD FLR BLOCK B TASKAND MARG	श्री राधेश्याम शुक्ला	श्री आलेख जैन	बैनामा
7484.	7E/5/01 TASKAND MARG	श्री बैजनाथ यादव आदि	श्री बैजनाथ यादव के स्थान पर संगीता यादव	वसीयत
7485.	211B/59/5A M.G.MARG	श्रीमती उर्मिला चौधरी	श्री रवी शंकर पाण्डेय	बैनामा
7486.	54E/23 P.D.TANDON ROAD	श्री संजीव अग्रवाल आदि	श्री संजीव अग्रवाल के स्थान पर मै0 द्वारा टेकचन्द बक्शी	बैनामा
7487.	13A/S-6 TASKAND MARG	श्री अजय मेहरोत्रा	श्रीमती निष्ठा सिह आदि	बैनामा
7488.	11/29 S.R.D.GULATI MARG	श्री सुभाशचन्द्र गुप्ता आदि	श्रीमती हर्षिता रौटेला आदि	बैनामा
7489.	20/20/01 KATRA	श्री अफजल अहमद	दर्ज नाम के साथ श्री आबिद अहमद	दानपत्र
7490.	522A/1D/1 RAJAPUR	श्रीमती सरस्वती पाण्डेय	श्री हृदय नारायण पाण्डेय आदि	वरासतन
7491.	188/01 STANLEY ROAD	श्री विघाभूषण श्रीवास्तव	श्री सरोजनी श्रीवास्तव आदि	वरासतन
7492.	17A/8D RAJAPUR	श्रीमती चन्दमा देवी	श्री अतुल कुमार राय	बैनामा
7493.	954/522/3B RAJAPUR	श्रीमती उषा देवी	श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	वरासतन
7494.	33/11 RAJAPUR	श्री रामपाल सिंह	श्री आदित्य राज सिह	बैनामा
7495.	169/44 MUIR ROAD	श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव आदि	श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव	वरासतन
7496.	125/8 RAJAPUR	श्रीमती बदमिया उर्फ सावित्री देवी	श्री नीरज कुमार आदि	वरासतन
7497.	90C/3A/2A/1B C.L.K.NAGAR	श्रीमती सुशीला देवी रावत	श्रीमती साधना चौधरी	वरासतन
7498.	60T/8T/4T CHANDPUR SALOR	श्री जगदेव पाल	श्री संदीप कुमार चौरसिया आदि	बैनामा
7499.	145B/12P/1A CHANDPUR SAL	श्री श्याम नारायण मिश्रा	श्री रोहित मिश्रा आदि	बैनामा
7500.	174E/8/1R MEHDAURI	श्रीमती राधिका पाण्डेय	श्री गुलाब सिंह	बैनामा
7501.	B-10/3 LIG GOVINDPUR	श्री राजेश तिवारी	श्रीमती शालिनी अग्रवाल आदि	बैनामा

पत्रांक : 3228/ज.सम्पं.अधि./2024
दिनांक-01.10.2024

जोनल अधिकारी,
जोन-03

गंगा टाक्स फोर्स द्वारा सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज। प्रादेशिक सेना के 75 वें स्थापना दिवस के सप्ताह भर चलने वाले समारोह जिसे पूरे भारत में प्लैटिनम जुबिली वर्ष–2024 के रूप में मनाया जा रहा है, की कड़ी में 137 सीईटीएफ बीएन (टीए) 39 जीआर ने गुरुवार को बिशप जॉन्सन स्कूल एंड कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। लेफ्टिनेंट कर्नल आर विजय कुमार ने प्रादेशिक सेना के दृष्टिकोण और युवा पीढ़ी की मदद के लिए पर्यावरण के महत्व को साझा किया। बिशप जॉन्सन स्कूल एंड कॉलेज के छात्रों को पर्यावरण प्रणाली को संरक्षित करने और स्वच्छ व हरित पर्यावरण को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए समाज में एक आवाज बनने के लिए एक–एक पौधा और एक शपथ समारोह दिया गया। साथ ही सभा को गंगा नदी की जैव विविधता के संरक्षण और पुनर्जीवन में गंगा टास्क फोर्स के दृष्टिकोण से अवगत कराया गया।

मां कल्याणी की मंगला आरती के साथ शुभारंभ हुआ शारदीय नवरात्रि महोत्सव मेला

प्रयागराज। महा शक्तिपीठ मां कल्याणी देवी जी के मंदिर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव मां की मंगला आरती के साथ प्रारंभ हुआ प्रातः 5रू00 बजे मां कल्याणी देवी की आरती की गई और दोपहर 1रू00 बजे तक हजारों भक्तों ने माताजी का पूजन अर्चन किया और दर्शन प्राप्त किया इस अवसर मां कल्याणी का महिभिषेक किया गया तत्पश्चात शैलपुत्री स्वरुप में मां का श्रृंगार किया गया और 7 शाम से बजे से लेकर रात्रि 12रू00 बजे तक भक्तों ने भारी भीड़ में मां कल्याणी का शैलपुत्री श्रृंगार का दर्शन प्राप्त किया मंदिर की अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक के बताते हैं कि आज मां वृष पर आरुढ़ होकर और अपने हाथों में त्रिशूल और कमल पुष्प धारण किए थी और मां कल्याणी का श्रृंगार स्वर्ण चांदी के आभूषण एवं बेला गुलाब के पुष्पों के द्वारा किया गया और शाम 7रू00 बजे मां की महाआरती की गई इसके पूर्व प्रातः वैदिक ब्राम्हणों के द्वारा नौ दिवसीय शत चंडी महायज्ञ का शुभारंभ किया गया जो प्रातः 8रू00 बजे से लेकर 12रू00 बजे तक और शाम 4रू00 बजे से लेकर 6रू00 बजे तक किया गया जो लगातार नौ दिनो तक किसी समय पर किया जाएगा इस अवसर भक्तों ने यज्ञ महाराज का पूजन कर यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि नवरात्रि की द्वितीय दिवस 3 अक्टूबर को मां कल्याणी का ब्रम्हचारिणी स्वरुप में श्रृंगार किया जाएगा जिसमें मां तप की मुद्रा में खड़ी होकर हाथों में कमल मंडल एवं जप माला धारण करेंगी और विभिन्न प्रकार के उसको के द्वारा मां का गर्भ गृह का श्रृंगार किया जाएगा

भातिसी पुलिस बल द्वारा स्वच्छता अभियान

प्रयागराज। महात्मा गाँधी की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर शविशेष स्वच्छता अभियानष के तहत प्रवीण चन्द्र दास द्वितीय कमान (कमान अधिकारी) 18वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस के मार्ग दर्शन में वाहिनी के पदाधिकारियों द्वारा वाहिनी कैम्प परिसर एवं नजदीकी गॉव भगवत पुर.चौक पर स्थानीय जनता के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा स्वच्छता के प्रति स्थानीय जनता को जागरूक किया गया एवं दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। इस अभियान के तहत स्थानीय जनता को साफ–सफाई का संदेश एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस स्वच्छता अभियान में अनिल कुमार झा, (उप सेनानी), समर मलिक, (सहायक सेनानी), जगत सिंह, सूबेदार मेजर, एवं 18वीं वाहिनी एवं वाहिनी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कुम्भ मेला 2025: शहर की सफाई व्यवस्था तथा मा0 मुख्य मंत्री जी के सम्भावित नगर आगमन के दृष्टिगत निरीक्षण

प्रयागराज। नगर आयुक्त चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा मुख्यमंत्री के सम्भावित आगमन, कुम्भ मेला 2025, एवं शहर की सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत शहर के विभिन्न स्थलों पर हो रहे निर्माण कार्यो तथा नगर की सफाई व्यवस्था के कार्यो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता निर्माण तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत एवं समस्त अधिशाषी अभियन्ता व सहायक अभियन्ता अवर अभियन्ता, महाप्रबन्धक जलकल, समस्त जोनल अधिकारी तथा सम्बन्धित सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त प्रयागराज द्वारा सर्वप्रथम लिडिल रोड एवं आस–पास क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया लिडिल रोड पर सीवर चोक एवं ओवर फ्लो के कारण जल जमाव की पाया गया सड़क पर पानी भरा होने कारण कई स्थानों पर कूड़ा एवं प्लाटिक आदि पाया गया। जिसके कारण नगर आयुक्त सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को कड़ी फटकार लगाई गयी, तथा जोनल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल जार्जटाउन एवं लिडिल रोड एवं आस–पास की सभी स्थानों पर से तत्काल सफाई कराने के साथ ही नियमित सफाई कार्य कराने के निर्देश दिये गये। महाप्रबन्धक जलकल एवं अधिशाषी अभियन्ता जल निगम को मौके पर ही पम्प लगवा कर चोक सीवर लाइन की सफाई कराये जाने के निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त द्वारा भारद्वाज पार्क का निरीक्षण किया गया इस दौरान छोटी–छोटी कमियाँ पायी गयी जिसके लिए पर्यावरण अभियन्ता श्री उत्तम कुमार को निर्देशित किया गया कि पार्क में जो भी कमियाँ हैं उसे तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए दुरुस्त कराए। नगर आयुक्त द्वारा भारद्वाज आश्रम का भी निरीक्षण किया गया इस दौरान आश्रम के गेट पर काफी मात्रा में मलवा तथा अन्दर जाने वाले मार्ग पर भी मलवा पाया गया। आश्रम के गेट पर आस–पास अवैध रूप से होर्डिंग बैनर लगे हुए पाए गये। नगर आयुक्त द्वारा अधिशाषी अभियन्ता जोन 3 को निर्देशित किया गया कि उक्त गलियों में दीवारों पर

वाल–पेंटिंग कराये जाने तथा मलवा हटवाए जाने हेतु निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त द्वारा अपर नगर आयुक्त बिन्द तथा उप प्रभारी अतिक्रमण को अवैध लगी हुई होर्डिंग बैनर को हटवाने हेतु निर्देशित किया गया तथा अपर नगर आयुक्त ए को अवैध दुकानों पर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। नगर आयुक्त द्वारा अक्षय वट का निरीक्षण किया गया इस दौरान अक्षय वट के गेट पर कट हुए झाड़ियाँ पायी गयी जिस सम्बन्धित फर्म के प्रतिनिधि से समन्वय स्थापित करते हुए हटवाना सुनिश्चित करें, तथा मैनपावर बढाकर कार्य में तेजी के साथ प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित कराएं तथा कार्य की डेवाइस प्लान बनाकर रिपोर्ट प्रेषित करें। प्रयाग स्टेशन के आस–पास सम्पूर्ण क्षेत्र में कूड़ा–कचरा, रोड साइट मलवा आदि को हटवाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा जोनल अधिकारी जोन 4 तथा अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया। इसी तरह नैनी स्टेशन के सामने प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा कुम्भ मेला 2025 का कार्य कराया जा रहा था जिसके दृष्टिगत नगर आयुक्त द्वारा आस–पास एकत्रित कूड़ा–कचरा, रोड साइट मलवा आदि पाया गया। जिसके लिए नगर आयुक्त द्वारा अधिशाषी अभियन्ता निर्देशित किया गया कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिशाषी अभियन्ता से समन्वय स्थापित करते हुए सम्बन्धित फर्म द्वारा आवश्यक कार्यवाही अमल में लाए, साथ ही स्टेशन के आस–पास अवैध अतिक्रमण को हटवाए जाने हेतु अपर नगर आयुक्त ए को निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त द्वारा नैनी सरगम टाकिज से छिवकी स्टेशन तक निरीक्षण किया गया इस दौरान निर्माण कार्य होते पाया गया साथ ही आस–पास कूड़ा–कचरा गन्दगी रोड साइट मलवा तथा रोड साइट शिल्ट आदि पायी गयी जिसे हटवाने हेतु जोनल अधिकारी तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को, मलवा हेतु अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया। इसी के साथ ही नगर आयुक्त द्वारा शिवालय पार्क तथा सीएनजी प्लांट का निरीक्षण किया गया। शिवालय पार्क में कार्य धीमी गति से होता पाया गया जिससे नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित प्रोजेक्ट मैनेजर को कड़ी फटकार लगाते हुए आर्टी कल्चर के कार्यो में तेजी लाए जाने के निर्देश दिये गये। अरैल घाट वेनीमाधव मन्दिर का निरीक्षण किया गया, नगर आयुक्त द्वारा मन्दिर के आस पास साफ–सफाई कराए जाने के निर्देश दिये गये। वेनीमाधव मन्दिर के पीछे नाले से सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया, इसके साथ ही अपर नगर आयुक्त ए को मन्दिर के आस–पास अवैध दुकानों पर कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटवाना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये।

डंपर की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत, पंडाल में लाइटिंग करते समय हुआ हादसा

प्रयागराज। दुर्गा पूजा पंडाल के लिए सड़क किनारे बावलियों पर बिजली सजाते समय एक युवा के डंपर की चपेट में आ गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। रात करीब 2: 00 बजे हुए हादसे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। लालगोपालगंज कस्बा स्थित लाल बाबा का पूरा उर्फ खरगू का पूरा मोहल्ला निवासी मो. अवैश राइन पुत्र स्व. अब्दुल रजाक तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर का था। वह शादी–विवाह और त्योहारों पर बिजली सजावट का काम कर परिवार का भरण–पोषण करता था। बुधवार रात करीब दो बजे कस्बा जेठवारा मार्ग स्थित मनिलाल का इदारा के पास बने पूजा पंडाल में सड़क किनारे बल्लियों पर बिजली सजावट कर रहा था, इसी बीच एक अनियंत्रित डंपर ने उसे टक्कर मार दिया। दुर्घटना में बिजली मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद पंडाल में काम कर रहे अन्य साथी आ गए। युवक को अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर परिजन और स्थानीय पुलिस भी आ गई। बाद में लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना कर भाग रहे डंपर को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक की मौत पर मां खलीकुन्निशा बदहवास है।

नवरात्र पर विंध्याचल के लिए हर 30 मिनट पर चलेंगी बसें, रोज 195 बसों का होगा संचालन

प्रयागराज । शारदीय नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज ने मां विंधयवासिनी के धाम मिर्जापुर जाने वाले यात्रियों की राह आसन की है। नवरात्र के मौके पर यूपी रोडवेज के जीरोरोड बस स्टेशन से प्रत्येक 30 मिनट पर विंध्याचल के लिए बसों का संचालन होगा। भीड़ बढ़ने पर प्रत्येक 15 मिनट पर भी रोडवेज की बसें संचालित की जा सकती हैं। ओवरऑल प्रयागराज और वाराणसी रीजन से मिर्जापुर के लिए नवरात्र में हर रोज 195 बसों का संचालन किया जाएगा। सामान्य दिनों में प्रयागराज से विंध्याचल होते हुए मिर्जापुर के लिए 26 बसों का संचालन होता है। अब तीन अक्तूबर से नवरात्र शुरू हो रहे हैं। पर्व पर विंध्याचल जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यूपी रोडवेज ने मिर्जापुर–विंध्याचल–प्रयागराज रूट पर 50 बसें लगाने का निर्णय लिया है। बृहस्पतिवार सुबह चार बजे से ही बसों का संचालन विंध्याचल के लिए शुरू हो जाएगा। वर्तमान में मिर्जापुर डिपो से 18 और जीरो रोड से आठ बसें मिर्जापुर–प्रयागराज रूट पर चल रही हैं। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि बृहस्पतिवार से इस रूट पर 50 बसों का संचालन होगा। इसमें 23 बसें मिर्जापुर डिपो और 27 बसें जीरोरोड डिपो की रहेंगी। अधिकतम 30 मिनट पर नवरात्र भर जीरोरोड से विंध्याचल के लिए बसें उपलब्ध रहेंगी। कहा कि अगर भीड़ ज्यादा रहती है तो प्रत्येक 15 मिनट या उससे कम समय पर भी विंध्याचल के लिए बसें उपलब्ध रहेंगी।

दिमाग से निकले डोपामिन को सेकेंडों में परख लेगा सेंसर, वैज्ञानिकों ने तैयार किया सेंसर

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, आईआईटी खड़गपुर और ब्राजील के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा सेंसर तैयार किया है कि जो मानव मस्तिष्क से निकले डोपामिन रसायन को कुछ ही सेकेंड में परख लेगा। सेंसर बताएगा कि स्राव हुआ है या नहीं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसका अधिक स्राव इंसान को इस कदर उत्तेजित कर देता है वह आत्मघाती कदम उठाने से लेकर गंभीर अपराध तक कर बैठता है। प्रतिष्ठित जर्नल अमेरिकन केमिकल सोसाइटी में प्रकाशित इस शोध को इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक प्रो. टीपी यादव, आईआईटी खड़गपुर के प्रो. चंद्रशेखर तिवारी और ब्राजील की सैंपियाना यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक प्रो. डोगलस संयुक्त रूप से कर रहे हैं। दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार प्रो. टीपी यादव बताते हैं कि डोपामिन के अधिक स्राव से दिमाग में तेजी से उत्तेजना बढ़ने लगती है। इससे मनुष्य पूरी तरह से होश में नहीं रह जाता और बिना कुछ सोचे–समझे कई बार गंभीर अपराध तक अंजाम दे डालता है। इन अपराधों में हत्या–आत्महत्या से लेकर मारपीट तक कुछ भी हो सकता है। प्रो. यादव के मुताबिक, शरीर में डोपामिन की मात्रा पता लगाने के लिए अभी रक्त की जांच करानी होती है। इसकी रिपोर्ट में काफी वक्त लग जाता है। उनका डोपामिन सेंसर मुंह में रखते ही कुछ ही सेकेंड में बता देगा कि दिमाग में डोपामिन का स्राव हुआ है कि नहीं। शोध के अगले चरण में सेंसर को अपग्रेड किया जाना है। प्रो. यादव अब सेंसर को अपग्रेड करके डोपामिन के स्राव की सटीक मात्रा और उससे मानव मस्तिष्क पर होने वाले सकारात्मक व नकारात्मक असर का पता लगाएंगे।

कलश स्थापना के साथ आदिशक्तिकी आराधना का महापर्व शुरू, मंदिरों में लगी भक्तों की लंबी कतार

प्रयागराज। आदिशक्ति दुर्गा की आराधना का महापर्व नवरात्र बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। शुभ मुहुर्त में भक्तों ने घरों में रंगोली और वेदी बनाकर कलश की स्थापना की। दुर्गा मंत्र, दुर्गा सप्तशति आदि का पाठ कर देवी का आह्वान किया गया। देवी के मंदिर और पंडालों में जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। अलोपशंकरी, कल्याणी देवी,

ललिता देवी के साथ ही अष्टभुजी देवी सहित शिवकुटी, कटरा, राजरूपपुर, धूमनगंज, सुलेमसराय, सिविल लाइंस, टैगोर टाउन, चौक, जीरो रोड, राजापुर, बेली रोड, फाफामऊ, झूंसी, नैनी सहित शहर के सभी इलाकों में स्थित देवी मंदिरों में भारी भीड़ रही। आदि शक्ति ललिता देवी मंदिर में भक्तों का भोर से ही तांता लगा रहा। पूजन अर्चन और दर्शन का दौर भोर से ही शुरू हो गया था। मंदिरों में देवी का मां भगवती के प्रथम स्वरूप श्रीशैलपुत्री के स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही दुर्गा पूजा पंडालों में भी तैयारी तेज हो गई है। पुष्प, अक्षत, रोली, चंदन, मिष्ठान्न, नैवेद्य के साथ भगवती की आराधना की गई। विधि विधान के साथ मिट्टी के कलश में गंगा जल, अक्षत, द्रव्य, हल्दी, पान, सुपारी आदि सामग्री डालकर मिट्टी की वेदी जौ मिलाकर कलश को स्थापित किया गया। फूल–माला के साथ ही नवग्रह, गौरी, गणेश, भैरव आदि की पूजा कर रोली, चंदन, सिंदूर आदि के साथ पूजन अर्चन किया गया। शारदीय नवरात्र के पहले दिन संगम नगरी प्रयागराज के देवी मंदिरों में भी भक्तों की भारी हुजूम उमड़ पड़ा है। प्रयागराज की शक्तिपीठ अलोप शंकरी समेत दूसरे देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्त देवी मां के दर्शन–पूजन कर मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए कामना कर रहे हैं। शारदीय नवरात्र का आज पहला दिन है। शक्ति पीठ अलोप शंकरी समेत दूसरे देवी मंदिरों में शैलपुत्री रूप में मां का श्रृंगार किया गया है। देवी मां अपने इस स्वरुप में भक्तों को दर्शन देते हुए उनका कल्याण करती हैं। कौशाम्बी के कड़ा में स्थित आदिशक्ति मां शीतला देवी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। यहां सुबह से ही भक्तों का जयकारा शुरू हो गया। मंगला आरती के बाद दर्शन पूजन का दौर शुरू हो गया। यहां पर बड़ी संख्या में पुलिस और महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रसाद की दुकानों पर भारी भीड़ रही। देवी के जयकारों और घंटा घड़ियालों की गूंज दिन भर सुनाई देती रही। यहां पर कौशाम्बी, प्रतापगढ़, प्रयागराज के अलावा प्रदेश के कोने–कोने से भक्त अपनी मनोकामना लेकर आते हैं और देवी को हलवा, पूड़ी और अन्य पकवानों का भोग लगाते हैं। नवरात्र में यहां पर सर्वाधिक भीड़ होती है।

पाइपलाइन बिछाने के लिए हुए गड्ढे में उतरे मंडलायुक्त, मिट्टी हटाते ही निकल आया पानी

प्रयागराज। जल निगम की ओर से बिछाई जा रही पाइपलाइन के कार्य में बड़े स्तर पर अनियमितता पाई गई है। पाइपलाइन के लिए हुए गड्ढे का आधार ही मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। यहां तक कि वहां से मिट्टी हटाते ही पानी निकल आया। इस पर मंडलायुक्त ने खामियां दूर करने के साथ संबंधित अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बुधवार को मुंडेरा, विष्णुपुरी, ट्रांसपोर्ट नगर, चौफटका आदि स्थानों पर जल निगम की ओर से कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। चौफटका में पेयजल पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में मंडलायुक्त खुद उतर गए। मंडलायुक्त ने बताया कि पाइपलाइन के लिए तैयार किया गया आधार मानक के अनुरूप नहीं था। वह ऊंचा–नीचा था। इससे दबाव बढ़ने पर पालइलाइन में हमेशा लीकेज की आशंका बनी रहेगी। इसके अलावा उसकी गुणवत्ता भी ठीक नहीं पाई गई। इसी क्रम में मंडलायुक्त ने जांच के लिए गड्ढे में तैयार आधार की खोदाई कराई तो वहां से पानी निकलने लगा। इस पर नाराजगी जताते हुए मंडलायुक्त ने मौके पर मौजूद सहायक अभियंता को खामियां दूर करने के लिए कहा। साथ ही संबंधित अभियंताओं की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। मंडलायुक्त ने मुंडेरा चुंगी के पास बिछाई गई सीवरलाइन के कार्य को भी देखा। वहां जीएसबी पर ठीक से रोलर नहीं चला था। इसके अलावा काम भी अधूरा पाया गया। वहां पर्याप्त संख्या में मजदूर भी नहीं थे। उन्होंने जेई को मजदूरों की संख्या बढ़ाते हुए मानक के अनुसार काम कराने के निर्देश दिए।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक(इंजी)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते है।
ई निविदा सूचना सं0:–एनईआर–बीएसबी–2024–135, कार्य का नामः समई/सिवान अनुभाग के अन्तर्गत छपरा–भटनी, सिवान–थावे, हथुवा–पंचदेवरी तथा दुरौंधा–मसरख में विभिन्न बोर्ड जैसे स्टेशन नेम बोर्ड (आरसीसी टाइप), कर्व बोर्ड, एसईजे/एलडब्लूआर बोर्ड, टी/ओ बोर्ड, ब्रिज बोर्ड, कि०मी० पोस्ट, ग्रेडियेन्ट पोस्ट, स्टेशन नेम बोर्ड (टेयरी बोर्ड) तथा साइनेज का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 48,38,438/– बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि): ₹ 96,800.00, निविदा बन्द होने की तिथिः 30.10.2024, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 06 माह।
ई निविदा सूचना सं0:–एनईआर–बीएसबी–2024–136, कार्य का नामः झूसी–दारागंज के मध्य पुल संख्या 111 कि०मी० 321/6–322/12, मांझी–बकुलहा के मध्य पुल संख्या 16 कि०मी० 17/4–18/6 पनियहवा–वाल्मिकीनगर स्टेशनों के मध्य पुल संख्या 50 कि०मी० 305/8–306/6, औड़िहार–भटनी के मध्य पुल संख्या 137 कि०मी० 177/1–6, भाटपाररानी भटनी के मध्य पुल संख्या 119 कि०मी० 426/0–3 तथा लाररोड–बेल्थरारोड के मध्य पुल संख्या 31 कि0मी0 27/10–28/12 (कुल 6 अदद) में 3 वर्ष हेतु स्वचालित जलस्तर निगरानी की वार्षिक रखरखाव कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 47,46,470/– बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि): ₹ 94,900.00, निविदा बन्द होने की तिथिः 30.10.2024, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 36 माह।
ई निविदा सूचना सं0:–एनईआर–बीएसबी–2024–137, कार्य का नामः हथुवा–पंचदेवरी तथा दुरौंधा–मसरख :– शैलो स्क्रीनिंग (कुल–52.00 कि०मी०)। अनुमानित लागतः ₹ 1,76,92,964/– बिड सिक्योरिटी (अमानत राशि): ₹ 2,38,500.00, निविदा बन्द होने की तिथिः 30.10.2024, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 08 माह।
निविदा सूचना सं:–एनईआर–बीएसबी –2024 –135 से एनईआर–बीएसबी –2024 –137 दिनांक 30.10.2024 को 14.30 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा के प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मंडल रेल प्रबंधक/(इंजी)
मुजाधि/डब्लू–262 वाराणसी
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं.: 10020242025 दिनांक : 30.09.2024
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 25.10.2024 को 13:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा नं.: 222 | जेम बिड नं.: GEM/2024/B/5451797 Dated 30.09.2024
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर/उत्तर मध्य रेलवे/मिर्जापुर और चुनार के आधीन दो वर्षों के लिए मिर्जापुर और चुनार में अधिकारी विश्राम गृहों का रखरखाव एवं बागवानी कार्यों का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य (रू.): 31,52,388 | बयाने की रकम (रू.) : 63,050
कार्य समापन की अवधि : 24 Months | निविदा खुलने की तिथि : 25.10.2024
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछिनीय आधार : निल
नोट : 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 1734/24 (D)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं आईआरटीएमटीसी/202425/02 दिनांक : 30.09.2024
खुली ई-निविदा सूचना
प्रधानाचार्य, भारतीय रेलवे रेलपथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, पोस्ट- सूबेदारगंज, प्रयागराज, के द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 21.10.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:-
निविदा नं. : IRTMTC-202324-01 | अनुमानित मूल्य (रू) : 18,13,050.00
कार्यों का विवरण : आई.आर.टी.एम.टी.सी., प्रयागराज में 24 महीने के लिए 40 सीटर बस किराये पर लेने हेतु।
बयाने की रकम (रू) : 36,300.00 | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू) : 0.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह
नोट:- 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर बन्द होने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर मात्र वृहद प्रसार हेतु अपलोड किया जायेगा। 6. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाना राशि की रकम केवल नेट बैंकिंग या पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से ही जमा किया जाना चाहिए। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाईन से सम्पर्क किया जा सकता है। 8.जी.एस.टी. अधिनियम/ कानून/नियम/ दिशा-निर्देश के सम्बंधित प्रावधान लागू होंगे। 1729/24 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062